Title: Need to declare Guru Tegbahadur Martyr"s day as a National Holiday and observe it as Religion Tolerence Day.

श्री जे.एस. बरार (फरीदकोट) : महोदय, इस सदन में आनरेबिल सदस्य बैठे हुए हैं, मैं उनका ध्यान आज के इस ऐतिहासिक दिवस की ओर दिलाना चाहता हूं। आज गुरू तेगबहादुर साहिब, जो सिक्खों के नौवें गुरू हैं, की शहादत का दिवस है। मुझे अफसोस है कि इस मौके पर न ही सरकार की तरफ से और न ही प्रधान मंत्री जी की तरफ से और न ही सदन की कार्यवाही के शुरू में कुछ कहा गया। गुरू तेगबहादुर साहिब की शहादत और बलिदान केवल राष्ट्र तक ही सीमित नहीं है। इतनी बड़ी धार्मिक कुर्बानी, इतना बड़ा तिलक जंजू राका, प्रभु ताका, किनो पड़ो कलू में साका - इनको हिन्द की चादर कहा गया है। दिल्ली की सरकार ने छुट्टी कर दी है, लेकिन मैं छुट्टी पर स्ट्रैस नहीं करना चाहता हूं। मैं उन लोगों में से हूं, जो कहते हैं कि कम से कम सप्ताह में छः दिन काम करना चाहिए। छुट्टी करने की बात अलहदा रही, लेकिन आज सदन में गुरु तेगबहादुर जी की शहादत के बारे में दो शब्द श्रद्धापूर्वक देश की सरकार और प्रधान मंत्री जी द्वारा न बोले जायें, इससे बड़ी शर्मिन्दगी की कोई बात नहीं हो सकती है। मैं अध्यक्ष महोदय और सदन से अपील करूंगा

... (व्यवधान)

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खण्डूरी (गढ़वाल) : ४५ साल के राज में क्या कांग्रेस ने कमी की

... (व्यवधान)

श्री जे.एस. बरार : मैं विरोध नहीं करना चाहता हूं। खण्डूरी साहब, आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)
मैं इतना ही कहूंगा, इस शहादत दिवस के मौके पर अगले साल सदन में इस महान ऐतिहासिक दिवस पर छुट्टी होनी चाहिए।

महोदय, मैं एक सुझाव और देना चाहता हूं। आज का दिवस वर्लड-रिलीजियन-टालरेंस के रूप में मनाया जाना चाहिए, क्योंकि गुरु तेगबहुदार साहिब की शाहादत समूची मानवता के लिए हुई थी।

... (व्यवधान)
आज इस मुद्दे पर अगर सरकार रिसपांड नहीं करती है, तो हम पंजाब से चुने हुए जो दो सांसद हैं, इस सदन से वाकआउट करेंगे। जिन्होंने इतनी बड़ी कर्बानी की हो, उनके लिए इतनी बड़ी तौहीन नहीं हो सकती है।

... (व्यवधान)

">

श्री मदन लाल खुराना : जब आप कुर्सी पर थे, १९९३ तक छुट्टी नहीं होती थी। ... (व्यवधान)

">

">श्री जे.एस. बरार : आज दिल्ली में छुट्टी है।

">

">श्री मदन लाल खुराना : जब हम सरकार में आए, तब हमने छुट्टी की थी। आप इससे पोलिटिकल फायदा उठाना चाहते हैं।

... (व्यवधान)
">

">MR. SPEAKER: Shri Brar, please take your seat. The hon. Minister is replying.

">... (Interruptions)

">श्री जे.एस. बरार : आप मानवता को खत्म कर रहे हैं।

... (व्यवधान)
">

">श्री मदन लाल खुराना : आपने दिल्ली में छुट्टी शुरू नहीं की।

... (व्यवधान)
">

">श्री जे.एस. बरार : बात आपकी नहीं है, मैं संसद की और प्रधान मंत्री जी से कह रहा हूं।

... (व्यवधान)
">

">MR. SPEAKER: Shri Brar, please take your seat. The hon. Minister is replying now.

">... (Interruptions)

">
*m04

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन): महोदय, गुरु तेग़बहादुर जी की शहादत के संबंध में, महानता के संबंध में और इस देश पर उनके एहसान के संबंध में कोई दो राय नहीं हो सकती। हिन्दुस्तान का हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी भाषा, प्रान्त या मजहब से रिश्ता रखता हो, गुरु तेगबहादुर जी की इज्जत करता है और उनका एहसानमंद है।

">

">जहां तक संसद में उल्लेख करने या संसद में अवकाश देने की बात है, इसका फैसला सरकार नहीं करती है, इसका फैसला सभी दल मिलकर करते हैं। संसद में इस प्रकार का उल्लेख आपके द्वारा होता है, तो वह भी सभी दल बैठकर करते हैं।

">

">अगर इस वर्ष यह रह गया होगा तो अगले वर्ष हम जरूर कर सकते हैं। ... (व्यवधान)

">

">श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : मैंने दिखवाया है, पहले कभी छुट्टी नहीं हुई।

... (व्यवधान)
">

">श्री प्रमोद महाजन : इसका निर्णय स्पीकर जी को लेना है, इसमें सेंट्रल गवर्नमेंट का कोई संबंध नहीं है।

... (व्यवधान)
">

">श्री जे.एस. बरार : इसे पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर ही करते हैं। ... (व्यवधान)

"> <